एसडी कॉलेज के ज्योलॉजी विभाग द्वारा कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़, 25 सितम्बर (राम सिंब बराड़): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत 'लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में 'लेपिडोप्टेरा मैम्बर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टैक्निक' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दौरान प्रोफैसर डा. पारुल धर सम्बोधित करते हुए।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 'विंग्स आफ साइंस : एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी' विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। इसके बाद नाजुक पंखों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रथाओं के बारे में बताया गया। पंखों, पैरों और एंटीना को व्यवस्थित करने के साथ-साथ सही मुद्रा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ट्रेसिंग पेपर की पट्टियों से सुरक्षित करने के बारे में भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ।

अजीत समाचार 26-Sep-2025
Page: 6
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20250926/20/6/1_1.cms

पीएम उषा स्कीम के तहत एसडी कॉलेज के जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 'विंग्स आफ साइंस एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी' विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की।

Daimik Savera Times 26-9-25

पीएम ऊषा स्कीम के तहत एसडी कॉलेज के जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

सवेरा न्यूज/नीना चंडीगढ़, 25 सितंबर : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत 'लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

कार्यशाला में हिस्सा लेते छात्र।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिविर्सटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। 'विंग्स आफ साइंसः एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी' विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिविर्सटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। डॉ. वालिया ने अपनी स्लाइडों का संग्रह कॉलेज के जूलोजी विभाग को दान कर दिया। कार्यक्रम का समापन जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और वाइस प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष शर्मा ने इस तरह की इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की, जो उनके शोध करियर चुनने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकती है।

Divya Himachal 26-9-25

छात्रों ने जानी कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्नीक

एसडी कालेज में लगाया प्रशिक्षण शिविर, जागरूक किए स्टूडेंट्स

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बीएससी तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉण् पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉण् धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विंग्स आफ साइंस एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डा. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डा. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया।

पीएम उषा स्कीम के तहत एसडी कॉलेज के जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत 'लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने 'विंग्स आफ साइंसः एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी' विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। इसके बाद नाजुक पंखों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रथाओं के बारे में बताया गया। पंखों, पैरों और एंटीना को व्यवस्थित करने के साथ-साथ सही मुद्रा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ट्रेसिंग पेपर की पट्टियों से सुरक्षित करने के बारे में भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जहाँ सवालों का समाधान किया गया और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा की गई। डॉ. वालिया ने अपनी स्लाइडों का संग्रह कॉलेज के जूलोजी विभाग को दान कर दिया। कार्यक्रम का समापन जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पीएम उषा स्कीम के तहत एसडी कॉलेज के जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत ह्लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निकह्व विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरूआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से

हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने ह्यविंग्स आफ साइंसः एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजीह्व विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। इसके बाद नाजुक पंखों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रथाओं के बारे में बताया गया।

Punjab Kesari 26-9-25

प्रतिभागियों को सिखाई संग्रहण विधियां

पी.एम. ऊषा स्कीम के तहत जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

चंडीगढ़, 25 सितम्बर (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पी.एम. ऊषा स्कीम के तहत लेपिडोप्टेरा मैंबर्स के लिए कलैक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बी.एससी. तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

सत्र की शुरूआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफैसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विंग्स आफ साइंस एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफैसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की।

स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया

डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा और वाइस प्रिंसीपल डॉ. आशुतोष शर्मा ने इस तरह की इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की, जो उनके शोध करियर चुनने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम का समापन जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पीएम उषा स्कीम के तहत एसडी कॉलेज के जूलोजी विभाग ने आयोजित की कार्यशाला

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी विभाग ने पीएम उषा स्कीम के तहत लेपिडोप्टेरा मेंबर्स के लिए कलेक्शन एंड स्ट्रेचिंग टेक्निक विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर बीएससी तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए तितलियों और पतंगों के संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत रयात बाहरा यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पारुल धर द्वारा लेपिडोप्टेरा की परिचयात्मक प्रस्तुति से हुई। डॉ. धर ने लेपिडोप्टेरा के महत्व और उनके पारिस्थितिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 'विंग्स आफ साइंसः एक्सप्लोरिंग बटरफ्लाई बायोलॉजी' विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को तितली के जीवन चक्र और आकारिकी से अवगत कराया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पंजाब यूनिवर्सिटी के जूलोजी विभाग के प्रोफेसर और पूर्व डीन एल्युमनी रिलेशंस डॉ. वीरिंदर कुमार वालिया ने की। डॉ. वालिया ने स्ट्रेचिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने इंसेक्ट पिन्स पर नमूनों को लगाने और उन्हें स्प्रेडिंग बोर्ड पर रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संग्रहण विधियों के बारे में सिखाया गया, जिनमें इंसेक्ट नेट्स, बेट ट्रैप्स और लाइट ट्रैप्स का उपयोग शामिल था। इसके बाद नाजुक पंखों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रथाओं के बारे में बताया गया। डॉ. वालिया ने अपनी स्लाइडों का संग्रह कॉलेज के जूलोजी विभाग को दान कर दिया। कार्यक्रम का समापन जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और वाइसप प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष शर्मा ने इस तरह की इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की, जो उनके शोध करियर चुनने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकती है।